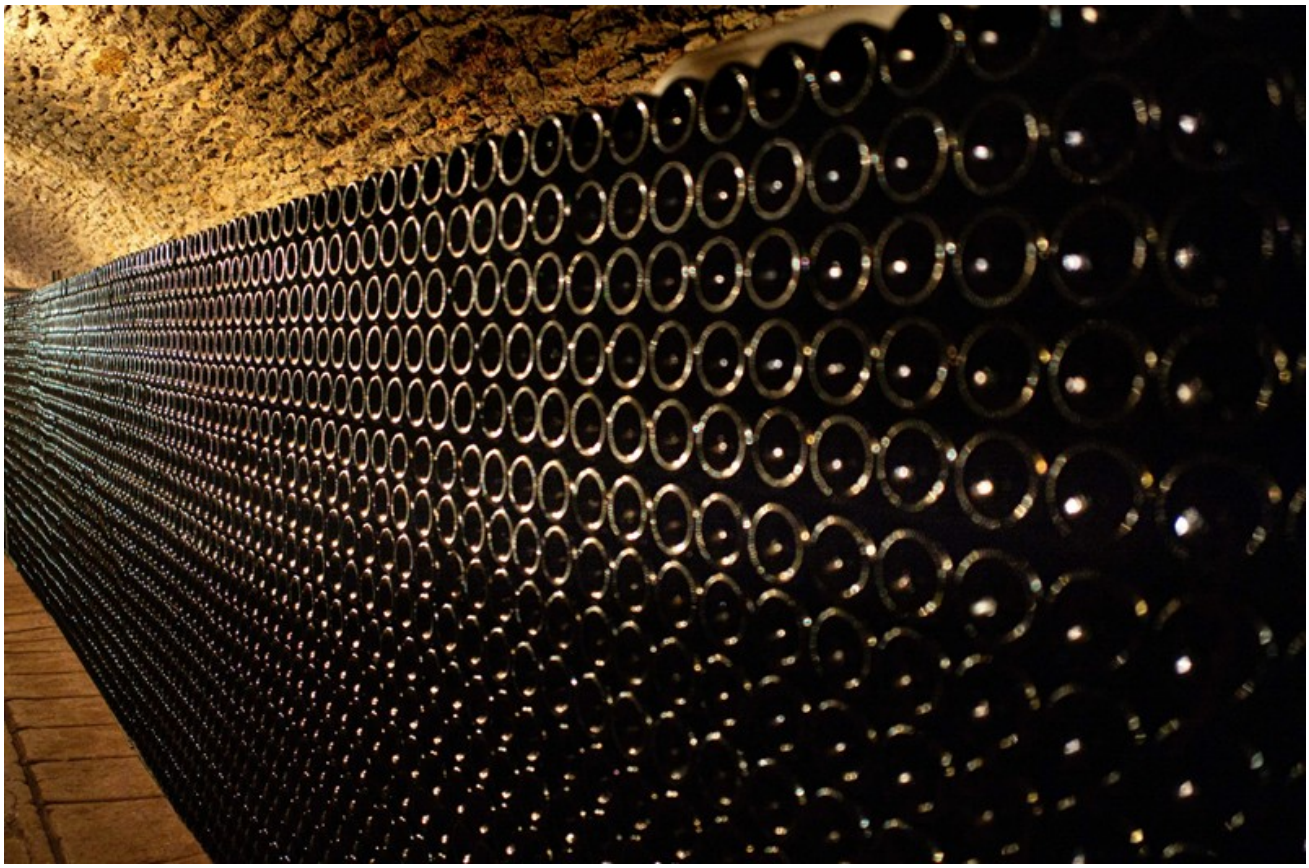
vinetur

2026 के अंत से पहले दक्षिण अमेरिकी वाइन उत्पादकों पर बढ़ता व्यावसायिक दबाव

अर्जेंटीना में घरेलू आपूर्ति घट रही है, चिली का निर्यात कम हो रहा है और 13.2% अधिक फसल के बाद उरुग्वे में भंडार बढ़ा है।

सोमवार, 16 नवंबर 2026



दक्षिण अमेरिकी वाइन उत्पादक 2026 के अंत की ओर बढ़ते व्यावसायिक दबाव के बीच बढ़ रहे हैं, लेकिन अर्जेंटीना, चिली और उरुग्वे में इस दबाव के कारण अलग-अलग हैं। अर्जेंटीना में वाइनरी घरेलू बाजार में कम वाइन भेज रही हैं। चिली में निर्यातक विदेशों में कम बिक्री कर रहे हैं। उरुग्वे में बड़ी फसल के कारण भंडार बढ़ा है, जबकि स्थानीय मांग कमजोर है।

इसका नतीजा पूरे क्षेत्र की वाइन आपूर्ति शृंखला पर बढ़ते दबाव के रूप में सामने आ रहा है—अंगूर उत्पादकों और वाइनरी से लेकर वितरकों और खुदरा विक्रेताओं तक—हालांकि हर देश में इसके तात्कालिक कारण अलग हैं।

Vinetur के एक विश्लेषण में उद्धृत उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, अर्जेंटीना में सितंबर में घरेलू वाइन की आपूर्ति कुल 707,145 हेक्टोलिटर रही, जो एक साल पहले के इसी महीने से 4.7% कम है। साल के पहले नौ महीनों में गिरावट काफी

कम, 0.2%, रही। जनवरी से सितंबर के बीच आपूर्ति 5.48 मिलियन हेक्टोलिटर तक पहुंची।

अर्जेंटीना के आंकड़े बताते हैं कि सभी श्रेणियों में गिरावट एक जैसी नहीं रही। वैराइटी वाइन में सबसे तेज गिरावट दर्ज हुई : सितंबर में 14.3% और जनवरी-सितंबर अवधि में 18.1%। वहीं, स्पार्कलिंग वाइन की आपूर्ति सितंबर में 3.6% बढ़ी और सफेद वाइन में 8% की वृद्धि हुई। इन बदलावों से संकेत मिलता है कि घरेलू मांग कुल मिलाकर कमजोर हुई है, जबकि कुछ श्रेणियों में अब भी खरीदार मिल रहे हैं।

यह रुझान अहम है, क्योंकि अर्जेंटीना का घरेलू बाजार वाइनरी के लिए अब भी एक प्रमुख बिक्री माध्यम है। घरेलू आपूर्ति धीमी पड़ने पर उत्पादकों की कीमतों, भंडार और नकदी प्रवाह पर दबाव आ सकता है—खासकर उन उच्च-मूल्य वाली श्रेणियों में, जिनमें व्यापक बाजार की तुलना में पहले ही अधिक तेज गिरावट आई है।

चिली में दबाव मुख्य रूप से विदेशी व्यापार से आ रहा है। रिपोर्ट में उद्धृत आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से सितंबर के बीच बोतलबंद वाइन का निर्यात मात्रा में 5.3% और मूल्य में 5.2% घटा। चिली के कृषि अध्ययन और नीतियों के कार्यालय, जिसे Odepa के नाम से जाना जाता है, ने अपने अक्टूबर बुलेटिन में बताया कि वाइन के कुल निर्यात की मात्रा 8.8% कम हुई, जबकि बल्क वाइन का निर्यात 11.4% गिरा।

चिली के आंकड़े अलग-अलग बाजारों में असमान प्रदर्शन की ओर इशारा करते हैं। ब्राजील, यूनाइटेड किंगडम और रूस में बिक्री बढ़ी, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जापान में घटी। ये तीनों बाजार खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि लंबे समय से चिली के उत्पादकों के लिए प्रमुख गंतव्य रहे हैं। इन बाजारों में गिरावट अन्य जगहों की बढ़त से अधिक हो सकती है, विशेषकर ऐसे बाजार में जहां उत्पादक पहले से ही कीमत, ब्रांड की स्थिति और वितरण पहुंच के मोर्चे पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

चिली की वाइनरी के लिए निर्यात में सुस्ती ऐसे समय आई है, जब कई उत्पादक पहले से ही वैश्विक वाइन खपत में कमजोरी के अनुरूप बदलाव कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ने वाइन पर्यटन का विस्तार किया है, अपने उत्पादों की विविधता घटाई है और ऐसी शैलियों को बढ़ावा दिया है जिन्हें अधिक ताजा, हल्का या कम अल्कोहल वाली वाइन के रूप में पेश किया जाता है। इनमें अल्कोहल हटाकर बनाई गई वाइन भी शामिल हैं। ये कदम पारंपरिक निर्यात वृद्धि पर ही निर्भर रहने के बजाय आय के स्रोतों में विविधता लाने और बदलती उपभोक्ता पसंद के अनुरूप ढलने की कोशिश दर्शाते हैं।

उरुग्वे की चुनौती अलग है। 2026 की फसल बड़ी रही, लेकिन घरेलू बाजार अतिरिक्त आपूर्ति को खपाने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं रहा। अनुकूल बढ़वार की परिस्थितियों और नुकसान पहुंचाने वाली बारिश न होने के बाद, 93.2 मिलियन किलोग्राम अंगूर से 70.39 मिलियन लीटर उत्पादन हुआ। यह 2025 की तुलना में 13.2% अधिक था।

बढ़ती मांग के दौर में बड़ी फसल फायदेमंद हो सकती है, लेकिन बिक्री कमजोर होने पर यह दबाव का कारण बन सकती है। उरुग्वे में उत्पादन में उछाल के साथ वाइनरी में पहले से मौजूद भंडार और स्थानीय बाजार की सुस्ती भी जुड़ गई है। इस मेल से भंडारण में अधिक वाइन बिना बिके रह सकती है, जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव पड़ सकता है और यह सवाल उठ सकता है कि अगले फसल चक्र में वाइनरी कितने अंगूर खरीदने को तैयार होंगी।

इसके असर वाइनरी तक सीमित नहीं हैं। अगर भंडार ऊंचा बना रहता है, तो वाइनरी छूट और प्रचार के जरिए या रेस्तरां और खुदरा बिक्री माध्यमों में अपनी पहुंच बढ़ाकर उत्पाद को तेजी से बेचने की कोशिश कर सकती हैं। इससे भंडार घटाने में मदद मिल सकती है, लेकिन मुनाफे का मार्जिन भी सिकुड़ सकता है और उन अंगूर उत्पादकों के लिए अनिश्चितता बढ़ सकती है जो हर मौसम में वाइनरी की खरीद पर निर्भर रहते हैं।

तीनों मामलों को साथ देखने पर एक ऐसे क्षेत्रीय उद्योग की तस्वीर उभरती है जिस पर दबाव तो है, लेकिन इसके पीछे कोई एक साझा क्षेत्रीय कारण नहीं है। अर्जेंटीना में घरेलू बिक्री माध्यम में कारोबार धीमा हुआ है, खासकर वैराइटी वाइन का। चिली को निर्यात के कमजोर प्रदर्शन से जूझना पड़ रहा है, जहां कई प्रमुख विदेशी बाजारों में गिरावट आई है। उरुग्वे

ऐसे बाजार में बड़ी फसल खपाने की कोशिश कर रहा है, जो उसके साथ तालमेल नहीं बिठा पाया है।

उत्पादकों के लिए इसका अर्थ है कि रणनीति अब स्थानीय परिस्थितियों पर अधिक केंद्रित और तात्कालिक होती जा रही है। अर्जेंटीना की वाइनरी को देखना होगा कि घरेलू आपूर्ति में कमजोरी वैराइटी वाइन से आगे भी फैलती है या नहीं। चिली के निर्यातकों को तय करना होगा कि क्या ब्राजील और यूनाइटेड किंगडम जैसे बाजारों में बढ़त संयुक्त राज्य अमेरिका और एशिया में हुए नुकसान की भरपाई कर सकती है। अच्छी फसल के बाद कमजोर मांग का सामना कर रही उरुग्वे की वाइनरी के सामने भंडार और नकदी का प्रबंधन करने की अधिक बुनियादी चुनौती है।

पूरे क्षेत्र में व्यावसायिक असर एक जैसा है : कीमतों, भंडार और बिक्री माध्यमों पर दबाव बढ़ रहा है, जबकि वाइन उत्पादक पहले से ही बदलती उपभोक्ता आदतों और कड़ी प्रतिस्पर्धा से जूझ रहे हैं। वर्ष के अंतिम चरण में प्रवेश करते हुए यह दबाव अंगूर की खरीद, उत्पादों के मिश्रण, विपणन और नए बाजारों में विस्तार से जुड़े वाइनरी के फैसलों को प्रभावित करने की संभावना है।